**भारत सरकार**

**कोयला मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 1996**

**जिसका उत्‍तर 28 जुलाई, 2014 को दिया जाना है**

**dks;yk dh ekax vkSj vkiwfrZ**

**1996 Jh izHkkr >k %**

**Jh fot; xks;y %**

D;k **dks;yk ea=h** ;g crkus dh d`ik djsaxs fd%

**¼d½** D;k ;g lp gS fd ns'k esa dks;ys dh ekax vkSj vkiwfrZ dk varj yxkrkj c<+rk tk jgk gS(

**¼[k½** ;fn gka] rks rRlaca/kh C;kSjk D;k gS(

**¼x½** D;k dks;ys dh ekax vkSj vkiwfrZ ds varj dks de djus ds fy, ljdkj fdlh dk;Z ;kstuk ij dk;Z dj jgh gS( vkSj

**¼?k½** ;fn gka] rks rRlaca/kh C;kSjk D;k gS\

**उत्‍तर**

**कोयला, विद्युत एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार)**

**(श्री पीयूष गोयल)**

**(क)से(घ):** कोयले की मांग/खपत और कोयले की घरेलू आपूर्ति के बीच अंतर बढ़ता जा रहा है। इसके फलस्‍वरूप कोयले का आयात 2011-12 में 102.9 मि.ट., 2012-13 में 145.8 मि.ट. से बढ़कर 2013-14 में 168.5 मि.ट. हो गया है । इसलिए सरकार का ध्‍यान घरेलू कोयले के उत्‍पादन को बढ़ाने की ओर है जिसमें पर्यावरण तथा वन संबंधी अनुमोदन में शीघ्रता करने के प्रयास, भूमि के अधिग्रहण में शीघ्रता करने में सहायता करने के लिए राज्‍य सरकार से अनुरोध करना और कोयले की आवाजाही के लिए रेलवे के साथ समन्‍वित प्रयास करना शामिल है । कोल इंडिया लि0 और उसकी सहायक कंपनियों द्वारा कोयले का उत्‍पादन बढ़ाने के लिए उपाय किए गए हैं जिनमें नई परियोजनाओं से क्षमता में वृद्धि करना और बड़े पैमाने पर उत्‍पादन प्रौद्योगिकियों का उपयोग करना शामिल है ।

**------**